

सिद्धि

1587

ASHA ARCHIVE

श्री गणेशाय नमो

ॐ गनेसाय नमो

ॐ नमः श्री विद्या धरि भुवनेश्वरि वर्जजोगिनि जते
सत्ये हौं हूं हूं फट् स्वाहा ॥ १००० ॥ धाल ॥ २९ ॥ नमो
तज्ज पन्तु नादोये मेवर्त मयु याये म फुजु लो ॥ धर्म
वया मेद ॥ १००० ॥ ॐ नमः श्री श्री वव धर्म कुं कुं कुं हूं हूं हूं
फट् स्वाहा ॥ १००० ॥ धर्म व धाल ॥ १००० ॥ ॥ सिक्क
दिये ला प्पासित ये लिं ॐ ह्यु सिं स स्व क प्पा ज व कु
नग न थो ह्यगनि व कुलो मुजा विधी माल ॥ १००० ॥ ॐ
नमो श्री गुरु जा सा कर्तना - रिदे दने स्वाहा ॥ १००० ॥
धर्म व धाल ॥ १००० ॥ या ये स को ख या हि म लो म र
गल प्पा नुगले वया हि भुति न नाम द्या जग व भुज प
न स श नु प्पा ना म बो या व हा कु का पल स पो ला वि
मि का घ का भुति सतुरि या हूं हूं भुना ता थो क
ल हूं हूं हूं धन हा निया ये पुजा विधि डि थे जु लो ॥
ॐ नमः श्री काल भै रवा घर्ष म काल जोगि नि का
ति मा हा का ति ये हूं हूं फट् स्वाहा ॥ १००० ॥ धाल ॥
॥ १००० ॥ स ग्रा म स र व स या हि भुलु रंग लया मोल थु

आसमानात्प्राप्यमानयस्त्वया ताम्रदन्तायाः तिसृणां त्रयत्रयदोदृष्ट्याः ॥ १ ॥

तिनापद्या ये के थुगु मोहनी का पा व थुड ता थो
 भम मा भु त द न व त र वु दु त ह ला दि मि म द न म वा
 वे ड थो ॥ ० ॥ पु जा ना ड थो ना हा न हा कु ह स मा
 ल नु लो ॥ ॥ ॐ नम सिद्धि गुरु मा शा ॐ नम श्री वं डि ये
 मा हा चं डि व ज्र चं डि हूं हूं फ र दू सा हा ॥ ॥ थ म न व धाल ॥
 १००० ॥ क ता न लि ज्जा ॥ ॐ व सो धन पा ये ज व ह्म या ना म त
 ल व ह्म या दे स व द्ध ई व द्धु र व वि पे जु ल पु जा वि धि ड थो वा हा
 न हूं स जि व वि ये माल हा ॐ का प ल न द्ये के भु ज प च स नो
 ये ई का प य्मा ह्म स न किं ता ये गु ह्मे द्ध थु १ मो ल सी द्ध थु १
 थ म द्ध थु १ ला हा त स नि थु र ज प ल या व ता ये पु जा वि धी
 उ थो ॥ ॥ १ ॐ नम श्री गुरु मा शा ॐ हूं हूं फ र दू ॥ ॥
 धाल ॥ ३१ ॥ प ल पा व भे द्ध ज व प ई का प ल का प ल वि ज
 व ह्म ॐ का प ल स पि ने प सु क्क न हि ने स त्रु पा दे स थु जा
 व ता थो ल र व स न थु मी व न कि स्व थु ३ न स ता उ ता थो रो
 जि या ये वि धि पु ना या से मा ॥ ॥ १ ॐ नम श्री बाल कु ह्म
 रि हीं फ र दू सा हा ॥ ॥ थ म न व नी र र वा को सि मि कु सि ई नि
 प ल का भे द्ध त सि कं क ला वा या भा ये थु ति ज प ल या

+

+

+

व सु तुरि पा ना म का या व न्नी व ल स स्व क पा दा ता थो क
 ॥ ॥ १ ॐ नम श्री गुरु मा शा ॐ हूं हूं फ र दू ॥ ॥

व सुतुरिपा नाम काया वरुण उवल स स्वक प्रादुता थोक
 लहजई धाल २१॥ ॐ नम श्री नाल कु ह्यारिका डाकिनि रे
 हूँ हूँ फर दुखाहा ॥ ॐ ॥ धर्म नरु ईमा या मोल नु सान या भ
 सम ईका पलका मदेत धुति पोला विन्या व सत्रुया दे संधु
 जूता थो धाल जप १०८॥ नाम काये माल पुजा विधी कु थो
 घर कलह माल मरव न के व धिनु लो ॥ ॐ नम श्री काल
 नेरु व काल योगिनि कालि ये हूँ हूँ फर ॥ का थ धर्म नरु
 जपूस मुसान या भसम उवलो व दन वना पद्मा डा नो ये दिप
 स थुडा वता थो ई आ टन या ये मिसा यात निव मिजन यात
 निव नाम काये माल जक ॥ धर्म नरु जप धाल ॥ १०००॥ पुजा
 याये माल हा कु सम जी जुनि जू २ दये क ॥ १०॥ ॐ नम मि
 दि गुरु आशा सै वि ये विजे न उत मे तारा हा त व धन कि नव
 स्वाहा ॥ धर्म नरु लान ह्या लु थरे सत्रुया नाम भुलु ऊंग
 लया माल सै वो ये सला म ऊंग लया हिनी पिठि जन सै ता
 थो जम जन व ह्य स तुला स व ये क पु डा व चो निव ॥ ॐ
 नमो सिद्धि गुरु आशा ॐ हि दो ला दो ला ले स्वाहा ॥ धर्म
 नरु भत वा न क ये के न मा का ये म ल थ व व र प या ये या
 न व लो ॥ ॐ नम श्री वरु स्व रि ये व व व दे दो दा कि

गिरहा हों हं फरद ॥ ध्वमंत्र धाल ॥ ममानया वा जपल यं कये
 के थं व वरुप याये ॥ ॐ नम श्री गुरु भा शा ॐ गति मे नि
 प ते स्वाहा ॥ ध्वमंत्र धाल ॥ ७ ॥ प्राथम्या कया लंख जप
 ल यो न के ह से ह तो ले नो न के ॥ ॐ नम श्री गुरु भा शा
 ॐ नम सिद्धि योगिनि भूष गो जी ती पं वयो जी नि काल योगी
 नि वो षष्टि योगिनि डा कि नि सिद्धि ॥ मेतु ध्वमंत्र धाल ॥
 २१ ॥ हु २ लंख जपल पावतो न के प्रसिद्ध ॥ नुपि नं जप लेये भ
 वि बाल या मुगल मदि ड पाना स ॥ ॐ नमो वु धाय कि
 मि कु ते कु ते वं दे न दे मारे मारे दे दे दे दे हं हं फरद स्वाहा
 ॥ धाल ॥ ११ ॥ किमिया प्रा थ सु ये क ह्य सु क र्पा र द्या वि ये हि
 म ११ गा थि हि मंत्र या र ॥ गा थि पति की कि मिया न रा रा
 नम सिद्धि गुरु भा शा किते किते मा हा की ले सर्व किते हं
 हं फरद स्वाहा ॥ ध्वमंत्र धाल ॥ २१ ॥ दंत कि लं न व सा नाम का र्पा
 व तो से जु लो लु र वा फु र सं क स ता ये ॥ ॥ स्वाहा ने वा हा स ते व
 व स्या न ना स ॥ ॐ पानि पाव न रा मा व ति पुल फु ल कं
 र ते ये न म मा ये माल धाल २१ ॥ ॐ नम श्री वरु यो गिति
 ये दे दे व र स्वाहा ॥ ध्वमंत्र धाल ॥ ७ ॥ जपल पाव कु से ध्वमंत्र
 या ये धाल ३१ ॥ ॐ बाल को मा रि ये हं फरद ॥ ध्वमंत्र धाल ३१ ॥
 जल पाव कल नं कु से धाल ३१ ॥ व स्य या ये जिव र प या ये ॥ ॥

ॐ नम श्री गुरु भा शा सिद्धि जल पाव समाने गुरु के सगति मे
 र भा गति फु र मंत्र ईश्वर वा वा ॥ ध्वमंत्र धाल ॥ २१ ॥ सिद्ध ल ज

ॐ नमो श्री गुरु भा शा सि ध हा जल पाव समा ने गुरु के सगति मे
र सगति फुरम ईश्वर वाचा ॥ ध्वमंत्र धाला ॥ २१ ॥ सिधल ज
पल पेना नवस्पया ये ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं वदे द्वादश के जो रे हा ह
फर धाला ॥ २॥ यिक्ता मुये के देव या था स शत्रु याना म का
या व ईश्वर नया ये ॥ ॐ मयया लमिसा वस्पया ये न जिव
॥ ॐ नै नै नै ह्रीं ॥ धाला ॥ २१ ॥ सुपि वि के सुपुत्रे ॥
ॐ निरि मिरि स्वाहा ॥ ० ॥ धाला ॥ ३ ॥ मि कुमि तरवा वो सि सा
चा या रि जप लये सत्रु पादे स हो ले ला के गु गुल ॥ ॐ स्वी
स्प हो सो विल मो हो ॥ ध्वमंत्र न को सि सै गु मी या गु जप ल पा
ध म क ल स कुं धने गुरु धं व वस्पया ये गुल वया स वया को सि
वन न ता य के माला ॥ धाला ॥ १०८ ॥ ॐ नमो श्री गुरु भा शा हि
नूक दूरिलान कदूरिलाले स्वाहा ॥ ध्वमंत्र धाला ॥ ३ ॥ चिकन
ज्या व पा थ स मुये पा थ रमा कना स ॥ ॐ स्वर स्वर मूं स्वर
स्वर को मे ना से ह फरद स्वाहा ॥ २१ ॥ धाला मिरवा स वृति व या
॥ ॐ हां कु वं कि हा हा हूं फरद स्वाहा ॥ ध्वमंत्र न साम वि
कं का ये धाला ॥ २१ ॥ ॐ नमो श्री गुरु भा शा ॐ नमो श्री
नमो श्री गुरु मि ये हूं हूं फरद स्वाहा ॥ धाला ॥ २१ ॥ स्वा न ज
पल पं धूं के धव वस्प या ये ॥ ॐ नमो श्री गुरु भा शा चि वि
ला वे म धु धा वे नूं तो तो वहा मि तो ला वे द वे त तो ला वे ध्व चि ग

ॐ सा नमो ॐ सै भानि मो हनि मो हनि देवो हं फरद । ॐ धाल
 ॥ १०८ ॥ ना किलि जपलया व पसु कानहि डवि को लादि ॥ हाय
 के लिले कता मरिषा तु गल सताये लख सफरी सात प्रखु लो नो
 धलिसका नो ले प्राथम नावर्द पुजा माल नाहान माल जुलो ॥ ॐ
 ॐ नम श्री गुरु आशा : ॐ नम श्री कै कै क राति डी के नि ये हं
 हं फरद स्वाहा ॥ धाल ॥ ११ ॥ काल मति पा मोल नव पा पा लो
 हात ० धुती जल पा वतये जुल ॥ ॐ नम श्री गुरु आशा ॐ
 सिद्धि योगीनि वर्ज योगीनि वर्ज मे रव हं फरद स्वाहा ॥ ॐ धमजन
 धाल १०८ ॥ धलिसि सा बु सा जपि सा पावन के वध स पु पा के
 ॐ धा कये थार्द नना न काये माल जुलो ॥ ॐ नम श्री गुरु
 आशा ॐ पानी पानि जगत पानी दि मो हं व चि चो रे व
 रि च राडे खरि को आशा ॥ धमजन लं रव जप ल पा वतो ने के
 भवि चाल या डा गुनि मण्डल के नाम काये माल ॥ ॐ
 ॐ नम श्री गुरु आशा हिन क दुरे लान क दुरि लारे स्वाहा
 धमजन धाल २१ ॥ निरं जपलया व गुर्वि ति तिल के मु चा व
 यम पु यान नान कुपे फरे के घात जुल ॥ ॐ नम श्री गुरु
 आशा ॐ हं हं हं दे दे र कि जोर हाहा हं हं फरद स्वाहा ॥
 धमजन धाल २१ ॥ जपलये नरया दक हस गु पु सान पा भस्म
 का गव मो हनि ॐ धमो हनि जा स तये ड काल सतये ते व स
 जत क सत व क न व ल स म तये तु गेल स त पा वन के जुलो ॥ ॐ

ॐ सा नमो ॐ सै भानि मो हनि मो हनि देवो हं फरद । ॐ धाल
 ॥ १०८ ॥ ना किलि जपलया व पसु कानहि डवि को लादि ॥ हाय
 के लिले कता मरिषा तु गल सताये लख सफरी सात प्रखु लो नो
 धलिसका नो ले प्राथम नावर्द पुजा माल नाहान माल जुलो ॥ ॐ
 ॐ नम श्री गुरु आशा : ॐ नम श्री कै कै क राति डी के नि ये हं
 हं फरद स्वाहा ॥ धाल ॥ ११ ॥ काल मति पा मोल नव पा पा लो
 हात ० धुती जल पा वतये जुल ॥ ॐ नम श्री गुरु आशा ॐ
 सिद्धि योगीनि वर्ज योगीनि वर्ज मे रव हं फरद स्वाहा ॥ ॐ धमजन
 धाल १०८ ॥ धलिसि सा बु सा जपि सा पावन के वध स पु पा के
 ॐ धा कये थार्द नना न काये माल जुलो ॥ ॐ नम श्री गुरु
 आशा ॐ पानी पानि जगत पानी दि मो हं व चि चो रे व
 रि च राडे खरि को आशा ॥ धमजन लं रव जप ल पा वतो ने के
 भवि चाल या डा गुनि मण्डल के नाम काये माल ॥ ॐ
 ॐ नम श्री गुरु आशा हिन क दुरे लान क दुरि लारे स्वाहा
 धमजन धाल २१ ॥ निरं जपलया व गुर्वि ति तिल के मु चा व
 यम पु यान नान कुपे फरे के घात जुल ॥ ॐ नम श्री गुरु
 आशा ॐ हं हं हं दे दे र कि जोर हाहा हं हं फरद स्वाहा ॥
 धमजन धाल २१ ॥ जपलये नरया दक हस गु पु सान पा भस्म
 का गव मो हनि ॐ धमो हनि जा स तये ड काल सतये ते व स
 जत क सत व क न व ल स म तये तु गेल स त पा वन के जुलो ॥ ॐ

धम
 ६
 X
 १

१०८

5

[illegible]

लीला
य



ताहाये सजप न याव वि ये भि ज न भि सा व स प मी ज
धे नाम काये भाला ॥ ४ ॥ ॐ गुरु आ शा ॐ कं का कि
कि द स्वा हा ॥ १ ॥ सि चो म न्या के ॥ ४ ॥ ॐ हि अ
मु कि कुरु स्वा हाः धाला ॥ ३ ॥ म सि धू आ द त ज
प ल या हो ले भि साः ॥ ग हं र वु नु ज प या ये दे प ति
प्रा चो य मी त्रं क ले सि धि जु लो भ म म ॥ ४ ॥
ॐ हूं न म रे स त्रु मार य २ हूं क र ट् स्वा हा ॥ धाल
॥ १०८ ॥ ध मी त्र न मिक सि अं गु ली २ हा य क
ज प या व स त्रु या द त्ता ल स ता धे ल दि न सि ये
य पु ॥ ४ ॥ ॐ सि धि गुरु आ शा ही कु वि ची हि
हूं क र ट् स्वा हा ॥ धाला ॥ ध मी ग नी ॥ १ ॥ आ धु
त न स त्रु या त क य के गु धां न थ ॥ ४ ॥ ॐ ता
ले त्ता ले तु ले तु स्वा हा ॥ धाला ॥ १ ॥ ॐ च लो च
लो सि धि गां भि दे व द त्त अ रि क स्वा हा ॥ ४ ॥ ध
मी त्र न धाला ॥ १ ॥ को र व पा ज प ल पं दार वि
गु ल त्रि प र म ल्यो के गु ल ध द प द द द द

वि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

73

73

अद्वय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

रविं हूँ कृष्णहा ॥५॥ धाला ॥ ७॥ मो स्या पुष्पे ॥५॥ ॐ
नमो श्री गुरु आशा ॐ लु ररा अकि धन हो जा ॥५॥ धा
ल ॥ ७॥ धर्म जने धू जल न पपा न हो ले अन्न तारन थ
नं जित ये जु पु शुभ म ॥५॥ ॐ धर्म चरिते हूँ फरद स्वाहा ॥ धा
ल ॥ १०००॥ धर्म जने शैव या जप धर्म जपे जे वल ला त के जु
ल ॥५॥ ॐ ॐ यज्ञ देव हनर हूँ फरद ॥ धाला ॥ ७॥ रगत चंदन ॐ
गुलि नदि हा ये न जप लया सत्रु या हे सं धु जता थे नि खा सा
व के थे जे न जु ल ॥ ॐ व र्ज कि मा हा का ला नम स्वा हा ॥ रा
हम नि या भी न के मा हा का ला या जप था ॥५॥ ॐ नु स्वा
हा वि हि हूँ फरद स्वा हा ॥ धर्म जने भुत न पु न या सि र धि या व
पु मे ॥५॥ ॐ नमो गरो शा यन नो गुरु आशा जोगीति का ला
शी फरद स्वा हा धाला ॥ १॥ धर्म जने जव लि न ते ला ब ह्या
ला प नि न व यु ना का या व धर्म ला स ट ये म यु या त सा हा
मे कपी ब ग्न न ले स भन न मे म ते व ॥५॥ ॐ कू हूँ फरद स्वा हा
॥ धर्म जने वाल म थार धा आये वल जया क व का फल
सपो ल वि से को ना प्र के जु लोर हा ॥५॥ ॐ नम श्री सि

दि गुरु मा शा ॐ नमो देव देवि नानि दुर्गा न कुप्ति वि
तुं त युस नः प्रणाम सर्व दुष्ट संहारन हि निमित्त लिखि
हैं हं फरू लाहा ॥ ५ ॥ धाल ॥ ५ ॥ धर्म नै जा रन तारन अहेत
जव प जप जये धर्मन को खाये भवति न जप याये १००० ॥ सर्व
त्रिजिन मंत्र सिद्धि सुगु गुयु धरव ॥ दा दा दा दा दा दा दा दा
ॐ जि हं हं स्वाहा ॥ धाल ॥ ५ ॥ ज्वर या यु मे मंत्र ॥ ५ ॥ ॐ
सिद्धि गुरु मा शा ॐ पै व रहे माहा रहे ब्रजन धी रदा स्वाहा
॥ ५ ॥ धाल ॥ ५ ॥ अहेत जव प जप ल मे दु मे क व व ज थ वा शा
र सा लं पन सा मान फि न थ व हूले ॥ ५ ॥ ॐ सिद्धि गुरु मा
शा ॐ काल मेरु वाये हैं हं फरू ॐ नमो श्री का मा शा दे वी न
मः स्वाहा ॥ धर्म नै स्म मान या जप ॥ धाल ॥ १० ॥ ५ ॥ वि
र सा धर्म धर्मारन धर्मन पाव हैं येगु सा धन धर्मिक ह्य मा
ल स चो ना ना म लि ये मा विर सा धर्म धर्म ॥ ५ ॥ ॐ म हि हं वि
जन हैं हं फरू स्वाहा ॥ ज्वाल गुल ज्वाल गुल जप ल यन के चि कू
वा दे र ॥ ५ ॥ ॐ कालि कालि माहा ह्य देवि ईश्वर वावा ॥ धा
ला ॥ ३१ ॥ धा कि जा कि जय ल मे काल माति न के हि धो व के व
ला क मंत्र ह त्पे ॥ ५ ॥ ॐ पै वर दू मा हा र धो व र र धो व धो व
२ स्वाहा ॥ अथ जव प जप धा २१ ॥ दुये धन नम क व व सर्व

भये नास्ति ॥ १॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ वाराहोत्तर
 ॥ ॥ पिप्पलीविजयकृतद्वयोक्तहविष्माक्षपुधास्यातज
 लवभनसिरातिनेषलज्जागयिषादिजकृतगुजेनोर्ज
 र्जशीर्षिडदानंजलघटादिभक्तपिपलीपूजानये ॥ १॥ वष
 जोत्रयोमोअरदायविष्माथलीनिर्वलकर्मनमोअयिदाक
 तेसक्तिमाहेननेकाशायनकर्तध्रीरहोमोतिकरोगनास
 ॥ २॥ माहाभायतातिजकडपुष्पलज्जेनेत्रियस्तथावाग
 मंगधमेन ॥ घतेस्यानपीरुपुजयतेलापेदंसतवाहति
 र्जशरिरक्तपुष्पे ॥ ३॥ कर्कोदसीकानेभुजयोमोअर्ज
 वातायनासिपयिजानेकाधदानयवसपिपलीकरनीप्रदिपे
 मलुदायनसी ॥ ४॥ लिहादयप्रतमलाद्योमअरप्रतापोय
 नवनातिरक्त ॥ ५॥ धर्मेवतेतुतलिकानिधानेप्रेतकृपापूजन
 विप्रमोर्ज ॥ ६॥ कन्माविलज्जेकृतकर्मयोमपुलाप्रमो
 प्रमताप्रमदाह ॥ ७॥ गजापुअदसीहोमःकृतानि
 योकेमलुदायनास ॥ ८॥ तुलेहृत्पातेकृतोद्यमदुय
 उवलोवेगसलोदरेपिदनीच ॥ ९॥ धृतेरक्तपुष्पेअसिंधुरो
 तेविजदेवज्जदनावितोरसपाल ॥ १०॥ वेतालदोषोक्तवृक्ष

केवज्वलपुताकोउमनेनापिजातरमेविधानकरविरगुगालेस
 ताद्वतिचाययुते १० संवत् ॥ ११॥ आकामोकाकरोवे

के वज्रल पुताको उमनेनापि ज्ञातस्मै विधानकर विर गुगालेस
 तादृति चाष्ट युतै १० सुष स्यत् ॥ ८ ॥ आकाशदेव्या कृत दोषे-
 धात्वा २ पि शसु ता कं ठगल जह जः तस्मै कृत पुजतर क्षपाल
 देव्या विधानं कु स पुजलं न ॥ ९ ॥ तृगे मारगशि वेपाले धन-
 पाल स्वदा मगने जौ जलो देहमंग ॥ सुषे पुतलोर गंतै लो ध-
 ने चकु ते ह्मा नरु दो कृत दोष नास ॥ १० ॥ धर्तै पुर्व जो गो न
 देव्या वि धाद जलो ह दो र्व धि सो धा ति सारः जलै पि पाल
 दा वये पि द द्युतिले तर्पनं वं ह्य भोज्यादिकं च ॥ ११ ॥ सुषे
 सा कि नि कर्क स भो ह मुग्गुः रध अतरे च ह पि ज अल व
 कृतो तार न वो ल क धि पु क व स व्या हु ति हो म भे त गु गु ले न ॥
 १२ ॥ इति दोष दान ॥ ॥

मे षे र वि षु मे अ न्द्र मे रे न म हि शु त के न्पा प्रा रं हि ति पु त गु र
 क र्क त श रे भु गु स नि तु ला या शु श अ सि हि का नु त उ द्वा स प्र
 न का नि रा सो वा व दि वा स के ॥ १ ॥ इति ग्रह ध्वनि न
 गु ता कं वे द ४ सै ह त न ध व पा द स यु तैः करे न्द्र १२ भा ग शे धि
 तैः त व ल ग्नः ग रा नी अ ध र स ध पा ता व तु ४ भि गु शि ता व धि
 आ म ना म त था यो ध्य स त ७ भि न्ना ग मा ह १ ला म ला म १ ध न
 प्र ष २ आ यु ज ३ व वा सि

हरमाको मंत्र

केकरता कडोर कर्ता आसीर कर्ता जोकरता सो होवे येर सतार सदि
 से उपजे श्रद्धा उर होवे द्वादसवार पढे तो उमर भरन होवे लक्षवार
 पढे तो परियार भरन होवे यह मंत्र वें हर सा जाती के नवतावे तो द्वा
 दस ब्राह्मण मारी के हत्ता रोम का मोलना यह द्वाजीति सहस्र दस
 हने दी हे बुनी वाडी पढे मुने छरे ही

यो मंत्र बीहवार देखी उठा गरी ३ दीन
 सम्मरोजन को १२ वाजी दो हो एई मुची भे
गुरु

२१३११११

ॐ ॐ स्वाहा ॥ १०८ ॥ धर्म धन धाता जी लखा
 नया हा अलमा या हा चो ते निता हा लष

ॐ ॐ स्वाहा ॥ १०८ ॥ धर्म धर्म धाता ॥ जील स्वा
 नया हा अलमा या हा थो ते निता हा लष
 सानि मा व ते फु पाय विजे च न के ता वति
 कानि मा य फ धि जु लो ॥ ३ ॥ सिद्धि गुरु आ
 जा ॐ सर्व दि प्र न वरी योग प्र म थ का प्र व
 रि मा रा भू आ सि गि ना द सी ख र ह सि धा
 म र्त्र कार य तु र त्त सि धु आ व म ~~वो ड मि सा~~
 स्वा हा फु र त म र्त्र इ स्वर उ वा वा ॥ ॥ धाल ॥ ७
 थो म र्त्र न वा या वो ड मि सा वो ने जु ल ॥ ५ ॥
 सिद्धि गुरु आ जा ॥ ॐ ॐ ॐ स्वाहा ॥ धाल ॥ ७
 थो म र्त्र न दाम स धे ल न वु ला व त य दाम न द
 म सालो जे व ॥ ५ ॥ सिद्धि गुरु आ जा ॐ
 ई ई स्वाहा ॥ धाल ॥ ७ ॥ थो म र्त्र न आ ग ड
 सि मा वु लि व धि थो ते या वि धी वे गु फु सि
 या लष स्व गु हि टि या लष स्व गु व पि या
 लष थु ति ना य ह मा व लष स ज म या ना व

पता भिन्न २०५

वलमसिमासधु के गड सिमा चाले जा
 या वधि ॥५॥ सिधि गुरु आ जा ॐ वि भे र व आ
 जा हु नारी नारी भसं भगपत मि ह्य ह म य म
 य हल वल ही हु स्वा हा ॥ धाल ॥२॥ ओ म न
 नैः वा जय या ड्वा व मि सा थला कय के मि सा
 पा प टा सिं तो क फि य को ॥ जल ॥५॥ सि धी
 गुरु आ जा ॥ ॐ ल मि च दि न् कारि मा धि न व म
 दे सि न न ना के पु ज मि सा मि थान था व ज म
 धिर क्षण कारि श्री काम दे वि न न ना के आ सा
 ॥ धाल ॥३॥ ओ मी त री आ मे ज प ल या व भू मि स
 धू ते ड्वा हु द व मु हु हु न थ मी भाल पा का जे सि
 धा नु व ओ मी त री सि धल ज प ल या व ति य व स्य य वि
 भज ल फ या व व स्य या य मि व ग व तु र्द सि मु हु
 भा ज ल फ या व थो आ ज ल द टो ले सु ना न आप वा
 म ज म फ थ आ ज ल मि सा कि च के मी सा न

मि ज न कि च के व स्य या य जी व ॥५॥ ॐ सि धि ॥ १५
 गुरु आ दे स ॐ हा ह फ ट स्वा हा ॥ धाल ॥ च

मित्रनाकि चको वस्य प्राय जीव ॥५॥ ॐ सिद्धि
 गुरु आ दे स ॐ हा हुं फट् स्वाहा ॥ धाल ॥ मे
 वने म प्र प्रा प्र फट् को ॥५॥ ॐ नै हूँ फट् स्वाहा
 ॥ धाल १०८ ॥ धर्म ग्रन्थ आषेज्व २१ जये काणत
 स प्रल विप्र वाल प्रर म्मा प्राय ॥५॥ ॐ हूँ हूँ
 सुति क स्फोट क नास प्र ॥२॥ हूँ फट् स्वाहा ॥ धाल
 ॥ सूठ १ पिपि २ म ले ३ पिपला ४ जिला ५ हा जिह
 मि ७ सत पुष्प ८ ठा दिस्वान ९ सि हि चि १० ये
 म्मा ल ११ सु कु मे ल १२ ल व न् १३ पात क १४
 ध्य धे स म भाग न का क दा ये के ह स र वो ला य
 भा व त्य न को : धो ते नी सु ति का ना स सु ई म्मा ॥
 ५॥ १ ॐ न मो सि धि गुरु आ जो : ५ म प्र रा काल के ठं ५
 म बु ला सु पु प लु ष म थु लि का म थ का हूँ फट् स्वाहा
 ॥५॥ धर्म व्रज पल पा धाल ॥ ७॥ क ता मा लि न्मा मे म
 जा मा मे के मा गु सु लु नी ज न दु र व वि ये जु ल स रि र स अ

नमो भगवते विष्णुने सुप्रभा थास सप्ता इव ॥ सगु वल
 लाहि सनु पागु माल ॥ सुतान लं थुं ने ॥ नाम काये
 मा लहा कु जो र्त्त ॥ ध्या मे थु लि परी कालः ॥ ५ ॥
 १३ धावा धावा मावा मावा हि हि रव रव फर स्वा
 हा ॥ धर्म ज न धाला ॥ १० ॥ जप गुलो माला के नाय पालि र वी
 वस सर्व हा कु जो ल नंद ये के माल मुजा पाय माल साधन याना वस
 नुया नाम काये सनुमा रन पाय गु ल ॥ ५ ॥ ॐ राती मिति स्वाहा ॥ ५ ॥
 नुगल सपुय लाहा तेन उ सि २ पा र म चा सो वया ॥ ॥ २ ॐ मे
 र थिर कु मु स्वा ॐ कु नि शय धाय रि हं फर दु स्वाहा ॥ धाला ॥ १ ॥ वि
 कन स जप लयी प्रा धर्म सु रे कि मि को ठ य गु लो ॥ ॥ ॐ त ॐ त
 ॐ त ॐ त ॐ त ॐ न ॐ त स्वाहा ॥ ॥ धर्म व न प्र धत
 जप ल पा धू ये के म द त सा धु लात उ मु काया दू रे के मि धा
 कां ज प्रि व दे व लात सी मु न र व ला त सी दि ति म स म गु ॥ ५ ॥
 व को ति व ल ल का म व गु लो स त्प २ स व सु भ ॥ ॥ ॐ श्री सि
 धि गुरु आ शा ॐ नो न ग ने स वा लि ये स न ध त नि य स्वाहा ॥ ध
 ला ॥ १० ॥ धर्म व न प्र धत गो ल जप ल पे स नु या त हो ले ध ये ज
 कि वा ॥ ॥ ॐ हं हं हं हं हं व रु कि ने स्वाहा ॥ ॥ धर्म व न धाला ॥

॥ २१ ॥ पर पाव का ल सा या ५० जप ल पा व सु प्रे व स नु पा के प्रा
 क च धा ई व गु लो ॥ ५ ॥ १० ॐ सि धि गुरु आ ता मा पे व स्वा
 हा ॥ धाला ॥

॥ ७९ ॥ परपाव कालसा या ५० जपलपाव सुमेरु सत्रुपाके पा
 कच थाई वज्रुलो ॥ ५॥ १०ॐ सिद्धि गुरु आता. सामे क रखा
 हा ॥ धाला ॥ ७ ॥ पाखा या सुद्ध पु. काया व. गधि दि. नाओ
 को रखा के ॥ ७॥ १०ॐ अंजो
 कुरु स्वाहा ॥ धाला ॥ ७ ॥ धर्म वनी. अलमा या. दं न स.
 द्द पु थनु ना काये. द्द पु कुरु ना काये. स्वाना मि पु
 न को रखा के ॥ ७॥ १०ॐ वया साय के जुला ॥ ५॥
 ॐ श्री वज्रु हे हं लुं लं क हं पट्टा कि नये जाल स
 वल स्वाहा ॥ धाला ॥ १०० ॥ ॐ ^{सुलभ नुप} स्वे रमा हा देव कि वा चो
 मे स्वाहा ॥ धाला ॥ ७ ॥ सगता सी जि ओ वरप या र जुला ॥
 ॐ गुरु आता वि च वि च ज धा ता कि मि शी कि मि हं
 पट्ट स्वाहा ॥ धर्म वया ॥ धाला ॥ ७ ॥ १२ ॥ धाला ॥ १००
 ॥ जप माका व गवल ३ दुवार स चो न गु वा काया व
 कट के सदिता १०० प्रामय नास जु पु सि वं रप ने
 जप ॥ ५॥ १०ॐ सिं सिं सिं द्वि द्वि द्विं मं मं मं स्वाहा ॥ धाला ॥
 ७ ॥ धोमिन के गुमना स जद न या य ॥ ॥ १०ॐ सर्व शाय नम
 स्वाहा ॥ धाला ॥ ७ ॥ मुसा न म स न स सा धन या रे सत्रु पादे संह

23

X

०७५

28

॥ धाल ॥ ७ ॥ पिने लसा ~~धुलि~~ निजि वने बले
कि चहाने पांत रातु पा मे दे धातु सा युवा ट पा
वाग का जुल सा धुलि निजि व मे व पो ल पा वलि
खटन क ये के जुल मे व धया थे जु यु ॥ हाने दे
सु वि सा जा कि जप ल प क ये के जु लो ॥ सक ता
सं ज द न पा ये जु लो. के धि पा त हि हो क जु लो ॥

२४

॥ २ ॥ २ ॐ अधित सु धे गुरु जा गो स सरव न काला मे ई ई
जा गो ल नि ला हा प लि ज जा मो ल न न दे जा मो अधि प न ल दे ज
व १ अधि ल त दे प दि त त दे कु भल त दे सिर ल त दे न र सिं ध विर
न बाल जान २ काला मो ॥ ॥ रा नि प त तारा ज सि ला परि फ र त
जोगी नि धो ति धो ति व ह न री सै ह कि दे हा ई ने रा सि र मे स्वा आ
ते रा ति र मे र वा गु सि रि सि रि वान मु त ता फे मि ता ता फे फ र द ॥
॥ धाल ॥ ७ ॥ म लु को य नाम दु ने त ये गु ल स सा ध न न्या ना ती ये
० पु माल स धु ने ना ग फु जा पा ये ॥ ॥ ॐ न मो सिं घ न र सिं घ व त
सिं घ घ न ल न मो सिं घ व त त न मो त सिं घ गुरु ह स ति सिं
घ गुरु य ति सिं मो त त य ति ज न त गुरु थ न व न दि त कं व व
न दि वो घ व न दि थ ल व न दि दि सा खो लि व न दि प त ल व न दि

॥ १४ ॥

वेहवेदुः कासमारि वेध उरि माजान्ना यीरु वेधो धी
 वज्र वाशा सर का वाशा फ का वाशा श्री गुरु वर्जन वाशा गुरु
 सकृति वर्जन वाशा वसि वर्जन वाशा वर्जन वाशा देवा
 धि वर्जन वाशा हसति वर्जन वाशा गुरु वर्जन वाशा
 माहादे ओ वा चा पाताल वा चा पात ताल माहा वासु
 कि देवता कि वा चा अक काश माहा तितिस कोटि देओ
 ताकि वा चा कैलास देवि कि वा चा येति गुरु वच
 न वा चा वन दिन सव धा वन दिन ॐ करु नति फरु
 ॐ ॐ फरुट ॥ ॥ धाल ॥ ७॥ शत्रु ने प्राये ॥ ॥
 १ॐ कुजा किं किं महा गुरु सिधि ॥ धाल ॥ ७॥ धर्म व
 ध वसि सधि प्रा वन पल पा व वने पिहा वने दु प्री भ
 ये मु दु जु लो ॥ ६॥ ६॥ ६॥ ६॥ ॐ नम लि प्र ह न मान
 कि जै जै जै रू ॐ रै र काल स्वाहा ॥ धाल ॥ १०॥ धर्म
 वन चाग पृज्वं का प्र प्न न दिग स द्ये ये द्यु ग १ ला सा
 ला प्र चा क कि ये सर्व भय ना स जु ल ॥ ॥ ॐ ॐ ॐ
 यै रू रू ल दुः ख भि ना जि नै नै पैं पैं लो लो हू हू नम

१
 २
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५

ये दुःख भिज नि क र्त्तु स्वाहा ॥ धाल ॥ ७॥ चर्व चां नि

येन वभज नि कर स्वाहा ॥ धाल ॥ ७ ॥ सर्वसंति
 प्रायेत धर्म जुलो ॥ ५ ॥ ॐ ह्रीं सकामनि भवानिका
 माक्ष भवानि कै कै हं हं तानि तानि आदे स गुरु आता गु
 रु मं रं इकर उवाचा ॥ ५ ॥ धर्म च सवे त जि ओ स ग
 तास जि ओ प्राये जुलो भये मद जुलो ॥ ५ ॥ धाल फ
 र ॥ ५ ॥ ॐ हि माल का धूं तु माल का धूं श्री मा हो देव की वा
 का फरद स्वाहा ॥ ७ ॥ धाल ॥ ५ ॥ मेव या दोष तका पपा तका
 तो क पुया नाला दुया दाये जुलो ॥ ५ ॥ ॐ गुरु मा जो हिं
 हिं फरद स्वाहा ॥ धाल ॥ ७ ॥ मेव न मसु या सी धल सस ॥ ५ ॥
 ॐ कौं कैं कूं काल भैरवा य हं हं फरद ॥ धाल ॥ ७ ॥ धर्म जनी
 मास ससा धं याये कपाल सितिके जोदन या रे जुल के कस
 तोत के जुलो ॥ ५ ॥ ॐ ह्रीं श्री विष्णु विया गुहं सरवा फि हस
 मा पुरं मारं आगद २ हं फरद स्वाहा ॥ ना थे स्वर मत्र गुल ॥
 ॐ ह्रीं हिं अर्ध हास क्षे व पा ला ये धकु त भैरवा ये वै भा वि स
 कि हसिताय नमो ॥ ५ ॥ वैष्णव विया गुल मंत्र ध ॥ ५ ॐ च च च
 ह ॥ धाल ॥ १२ ॥ तारन धमारन धतारन यादे या गु भाये मा
 रन या सि कै ह ला गु का या भाये ॥ ५ ॥ १ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं स्वाहा
 ॥ धाल धर्म च जप पाव लो हो चा गव प कामा न पि दे ग स

जाये के फ कहा काति ५ न व द्यो ये ज्वल १ थ म चो ५ न था
 स थ ५ न व त ये. दे रा वं धन यो सि ता र न थ म न कु ल ॥
 ॥ ५ ॥ ॐ का लि मा हा का ली स्वा हा ॥ धा ल ॥ १ ॥ ५ ॥ पु ५ पा
 त ज्ञा द न मा गु जु लो ॥ ५ ॥ ॐ दू दू दू स्वा हा ॥ धा ल ॥ १ ॥
 कु हल का त ७ ग धि ७ ज प को म के थ को व न पा के
 त ला प्रे के गु जु लो ध ॥ ५ ॥ ॐ कि सि कि सि स्वा हा ॥ धा ल
 ॥ ७ ॥ ध म न नः अ पा मा ग या द ति व न. ज प पा व. वा वु मे
 वि घ्रा स मु. सा स्त्र स मु. ज्पा स मु. ख स मु. ल ख स त
 स्त्रे ज प पे र वा ल सि ते श्र म म ग ल ज्ज मु ॥ ५ ॥ ॐ का
 लि पू ता का ल अ ध ला ति च लो भा र्ही ॥ धा ल ॥ १ ॥ स नु म
 व द्य कर मूर्ति द्ये के. दि प या न ठे प्रा थ स त ये गु लु स.
 सा ध यो रे ना म न स नु या न स ये ॥ ॥ मे द मा र न ॥ ५ ॥
 ॐ रं रं रं चे नु का व व न हु न का लः ह्ये वि नु स र्व र
 धा नि का हु न फ र्द स्वा हा ॥ धा ल ॥ १ ॥ ध म न न स
 नु घा ना म का ये के रा मा या स कि स ज प्र य स रे ॥
 ॥ ५ ॥ ग म कि सि र्ग द्रु प्रा व स य गु धा ॥ ॥ ॐ

श्री गुरु बाबा जगत् कृ... पारि जगत् वर देवी...

श्रीगुरु बाबा जगतगुरु हारि जगतवनदेवी जग
तनत्रि गोगिनि ईश्वरि पारवति कावाचा ॥ ॥ नलि ॥
भारत ॥ धाल ॥ धाल ॥ १०८ ॥ धर्मत्रयपलपे वेलस
सत्रुघाना मन्नाये • सत्रुनास पाये ॥ ॥ ॐ नवदुर्गा गुरु
दक्षिण कालिगुरु रूद्राक्षेन स्मशान गुरु ॥ ॥ धाल ॥
॥ १ ॥ धुर्वुयस्य लुदयके सत्रुघाना मन्नाये जिर्वन्नाम विरे
धुन्पाके जो लघुसस्वकथने सास्त्रियाता साय जुल ॥ ॥
ॐ अमुर्किसम फर ॥ धाल ॥ २ ॥ लुद्वी वा द्वाद
के लुपानु ज्वाये द्वादस साले जुलो ॥ ॥ १०९ ॥ गुरु
गोर्ह फरु स्वहा ॥ धाल ॥ ३ ॥ सिर्क वि डगु कापल
हमे मे गुरु व्रात मा सुपत पगुली हाए के व्याह ॐ
जति हमे के जपल नान लुषा के सधुडगता थो सिक
हम प्रानाम काये माला सिक हम धुर्वी धुर्वी ई वगुगु
नामा उगु लिमा ई व ॥ ११ ॥ ॐ हन रशत्रु नमार पर
रहै रहै फर ॥ धाल ॥ १००० धर्मजन हल धर्माया
सि डगु पहारे कार हये • धसि जो नाव जप प्राये शत्रुया

२८

॥ १ ॥

॥ २ ॥

॥ ३ ॥

बल के कस धुनाव ता थो न नाने सि मु ओ जलो
 ॥५॥ ॐ वै वि नाय का प्र शक्ती सा हिताय स्वाहा ॥ मे
 हनि सर्व सि नुर सु जुल ॥५॥ ॐ गुरु वा वा हि
 हिं हूं हूं फर स्वाहा ॥ धाल ॥ ७ ॥ नाम को ये वसं स
 रा सि के वं गु का पे जुल भ म ध मे या त क ने म द्यु ॥५॥
 ॐ इति पित स्वाहा ॥५॥ ३ ॥ ध मं ग न हि दि ये
 जुल ॥५॥ ॐ हिं हिं हूं हूं फर स्वाहा ॥ मे व न म
 सु या क या अ ध त ज व र म म च ा मा धा स र व लु स
 हा ले धाल ॥५॥ १ ॐ न मो गुर वे स्वाहा ॥ धाल ॥ ७ ॥
 पा ति जा व स्वा आ रे ज पे स्वा उ ल ख स त से तो न के म
 को व र म फु या अ व स प न वु र् इ को जुल ॥५॥ ॐ न
 मो भ ग क ते वी र ह नु म न्ता य प्र ति मु त शि र दे र्मा
 प्र श र गा ग न व न्न मं ज रा प्र स क ल का र्थ मि मे चा
 ध य हूं फर स्वाहा ॥ ध मं ज धाल १००० ॥ द्यु या म ये
 मं ज धाल १००० ॥ ध मं ज धाल १००० ॥ ध मं ज धाल १०००

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

हन को नि

॥१॥ ॐ ह्रीं काली का देवि अमुक विध्वंसना
 ॥२॥ ह्रीं स्वाहा कृष्णारिया को पूजाया पहिल ये धन शत्रु
 ॥३॥ नात दुख विधे जु लो. स्याये धालसा नमान नि नमसाव
 ॥४॥ सी मो नाव अन्न शत्रु पारुप को पारवा पारव ने गु को चन या न
 ॥५॥ कि भु ३ स्वधु मंतर रपा ॥६॥ नरुतो २ व सुपोल सुधु १ नु गु
 ॥७॥ लसधु १ वसधा धसधु १ धन किलताय ॥८॥ सि ई जु ल
 ॥९॥ ॥१॥ ॐ नमो श्री गुरु आवाः ॐ सामाग्र हूँ फरु कि सी मा
 ॥१०॥ ग्र कि प्र क जाह माला ग का य हूँ फरु स्वाहा ॥ धम
 ॥११॥ वधाल ॥१२॥ त द्यो ज पा न म ग पला पाव धु के साल
 ॥१३॥ का धये जु ल ॥१४॥ ॐ महा ज्वाला मुखि माता विर
 ॥१५॥ वा वा ॥१६॥ धाल ॥१७॥ जा कि ज मा का लेख त न हो ला व
 ॥१८॥ द्यो र मालु. वो क सि नै धि र म फु जु ल ॥१९॥ ॐ
 ॥२०॥ ह्रीं काली का देवि अमक विध्वंसना मरु ह्रीं स्वाहा
 ॥२१॥ कृष्णारिया के पूजाया पहिल ये के धन शत्रु पात
 ॥२२॥ दुख विधे धालसा नमान या न नि न
 ॥२३॥ सी मो नाव धन शत्रु पारुप को पारवा पारव

॥२४॥ मा कि भु ३ स्वधु धम सी र र मा ॥२५॥
 ॥२६॥ ल स धु १ नु ग ल स धु १ व स धा ध स धु १

॥२७॥ ॥२८॥ सि ई जु ल ॥२९॥

मालासु १ नुजलसु १ चराधा भसु १

लाया ॥ सहि वज्र ॥ ४ ॥



३२

प्रसजेत्र कुं कुं गो लो वन ले भजा पत्रमा
लेखन प्रसर्ज त्रधा नाग नु अर्धे चावे
थाना सहि द
ॐ नमो श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ॐ हा कु व कि हा हा हूं फ द्वा हा ॥
॥ यो मंत्र नः ॥ २१ ॥ दपोः साम विक का प्रः ह प्र लाई वः ॥

॥ ॐ सिद्धिगणेशाय नमः ॥

33

[illegible]

न किं ये वेले जप्या गाचो नेतु रुद्रा या
न कां ये रुद्र ॥

गौ रा हूँ च आसिद्धी गुरु मा
पाल ॥ २२ ॥ स्म शा न स विद्या क
न स गु ना स प्रा य जु लो ॥ ५ ॥ ॐ

२३

ॐ मन्त्रा सिद्धि देव कि ॥ धर्म वनः धा
सि धल जय पा व प स ल या ला मा स कि
त नु ग व न द ये केः धु ॥ ५ ॥ ॐ नमो श्री वार्ता य वाली
का य श्री गु रू का भा रा य व र्ज वा नि ह नु मंत स प त स प श्री
का लि का मा ता कि वा नी ॥ धर्म व धाल ॥ २३ ॥ नो क्षे त ज मा
मि सा गा दे रं क ये का वा वि रं मि सा या ना म का ये मा ले मि द
ल म व य के गु जु ल ॥ ५ ॥ ॐ आ दि त पु ध कू वो नु क आ क
र्य य स्वा हा ॥ धाल ॥ ३ ॥ ॐ त भ व त जि व ह्य मे रा या ना म ॥ ध
ना व दे नो हि थे ॥ वरु ॥ ५ ॥ ॐ नम श्री गुर आ वा प्रे नु
हिं ॐ हूँ म र स्वा हा ॥ धर्म व न क थु म्पा क या वि ज पा न के गु लो
ॐ नम श्री स्म सा न दे व के आ वा ॥ किं मंत लो गें मे व ल मे न ओ
ॐ फ र द के स्वा हा ॥ धर्म व र धाल ॥ २९ ॥ मे व म र पु पा क
ॐ प ल मे द रे के जु लो ॥ ॥ ॐ नम श्री गुर आ वा ज
ॐ ल व वि ना जों पाल य जों हूँ फ र द स्वा हा ॥ धर्म व
ना ना म ॥ धे के जु लो ॥ ॥ ॐ नू हिं आ वा ना मं ग न व र्थ ह
ॐ नू ज व ला के मू ल न सं ग ना ल मं हं ग ह न मा न कि वा

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

३६

ये २ आहा ॥ आल ॥ ७ ॥
चामे ह फर आहा ॥ ६ ॥
वि वय म म ज लो
॥ ४ ॥ ध्व ग न न ॥
ल गु लो ॥
के तु तिले
॥ ३ ॥

॥ १ ॥

॥ २ ॥

